आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 152 | उज्जैन, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश के सभी अंचलों में समान रूप से उद्यमिता का हो विस्तार-मुख्यमंत्री

प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराए जाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के माध्यम से प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा सकते हैं। प्रत्येक जिले की परिस्थिति और उपलब्ध दक्षता के अनुसार गतिविधियों का विस्तार किया जाये। तेल घानी, मसाला-आटा चक्की, कोदो-कुटकी व अन्य मिलेट की प्र-संस्करण इकाई जैसे सूक्ष्म उद्योगों से युवाओं को जोड़ते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में समान रूप से उद्यमिता का विस्तार किया जाये। इसमें खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कृषि उपज मंडियों को भी आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसमें दूध, सब्जी

आदि को सुरक्षित रखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, इसकी शुरूआत रतलाम से होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में विभागी मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से सूक्ष्म स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश वर्तमान में देश में 7वें स्थान पर है, अगले वर्ष तक हमें प्रदेश को देश के श्रेष्ठतम राज्यों में स्थान दिलाना है। एमएसएमई के लिए उचित वित्त-व्यवस्था और अधोसंरचना, स्वरोजगार योजनाओं और स्टार्ट-अप ईको सिस्टम को सशक्त करते हुए बेहतर विपणन, निर्यात व ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के माध्यम से इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर गतिविधियां संचालित की जाए।

पहलगाम हमले के बाद भारत की डिजिटल स्ट्राइक, पाकिस्तान सरकार का ऑफिशियल X अकाउंट सस्पेंड

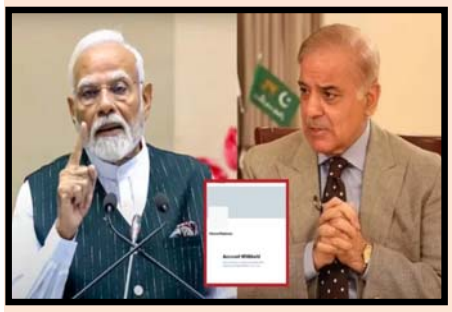

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत लगातार कड़े एक्शन ले रहा है, चाहे अटारी बॉर्डर बंद करने का आदेश हो या फिर सिंधु नदी का पानी रोकने का फैसला, भारत सरकार लगातार पाकिस्तान पर दबाव बना रही है। इस बीच भारत ने एक और बड़ा एक्शन लिया है।

भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तानी सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट को भारत में सस्पेंड कर दिया है। इस एक्शन को डिजिटल स्ट्राइक के रूप में माना जा रहा है।

पहलगाम में हुआ था बड़ा आतंकी हमला- बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। अनंतनाग जिले के बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुए इस क्रूर हमले में कई लोग घायल हो गए और पूरे देश में हड़कंप मच गया। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए।

क्या बंद हो सकती है बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर जिले की पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बुधवार को गलती से पाकिस्तान में प्रवेश कर गए सीमा सुरक्षा बल के जवान को पाक रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया है।

इस घटना के बादबी एसएफ और पाक रेंजर्स के बीच हुई फ्लैग मीटिग में बीएसएफ ने अपने जवान को लौटाने की मांग की, लेकिन पाक रेंजर्स ने इसको ठुकरा दिया। इस मुद्दे को लेकर आज फिर बीएसएफ और पाक रेंजर्स के बीच फ्लैग मीटिंग हो रही है।

आतंकी हमले पर बीएसएफ ने क्या कहा- वहीं, पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए बीएसएफ ने कहा कि ये कदम सीमा पार शत्रुता पर भारत की गंभीर चिंताओं को दर्शाते हैं और इस बात की पुष्टि करते हैं कि शांति और उकसावे एक साथ नहीं रह सकते। वहीं, बीएसएफ ने पहलगाम हमले के मद्देनजर पंजाब में भारत-पाक सीमा पर अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में रिट्रीट समारोह को कम कर दिया।

बंद हो सकती है बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी - आशंका जताई जा रही है कि बीएसएफ की बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी को बंद किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने वइसी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की है।

जहां पाकिस्तान करने वाला था मिसाइल टेस्टिंग, वहां भारत ने किया INS सूरत से सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में है। राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने मंगलवार को पांच बड़े फैसले लिए। इसी बीच भारतीय नौसेना ने अपने बनाए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने समुद्र में तेजी से उड़ाने वाले टारगेट पर सटीक हमला किया है।

स्वदेशी निर्देशित मिसाइल Destroyer ने समुद्र में टारगेट को हिट किया। इस उपलब्धि से नौसेना और भी ज्यादा ताकतवर हो चुकी है। यह उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को दिखाता है।

अरब सागर में पाक करने जा रहा मिसाइल टेस्टिंग- अरब सागर में किया गया है यह सफल परीक्षण इसलिए भी काफी अहम है क्योंकि, पाकिस्तान भी इसी इलाके में मिसाइल टेस्टिंग करने जा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान ने नोटिफिकेशन जारी किया था। पाकिस्तान ने अरब सागर क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण करने का एलान किया है। यह मिसाइल सतह से सतह पर मारने करने वाली होगी। आशंका जताई जा रही है कि 24-25 अप्रैल को कराची तट पर किया जाएगा। बता दें कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में पीएम आवास में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने पांच अहम फैसले लिए।

भारत ने लिए ये पांच बड़े फैसले- 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

तनाव के बीच पाकिस्तान ने भारतीय जवान को हिरासत में लिया, गलती से पार कर गया था बॉर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले की वजह से भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। इस बीच, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को गलती से पंजाब की सीमा पार कर जाने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह को बुधवार को फिरोजपुर सीमा पार से पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि जवान वर्दी में था और उसके पास सर्विस राइफल भी थी। उन्होंने बताया कि बीएसफ जवान किसानों के साथ था और वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़ा, जिसके बाद उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच फ्लैग मीटिंग जारी है। उन्होंने बताया कि ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं और दोनों पक्षों के बीच पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसके बाद भारत ने आतंकवाद को प्रायोजित करने को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकियों ने गोलीबारी करते हुए 26 लोगों की जान ले ली थी।

पहलगाम हमले के बाद चरम पर तनाव, सरकार बोली- पाकिस्तान से जल्द से जल्द वापस लौटें भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत ने पाकिस्तान में मौजूद भारतीयों को जल्द से जल्द वापस अपने देश लौटने के लिए कहा है। साथ ही, भारतीयों से पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। पहलगाम में हुए हमले के बाद सीसीएस की बैठक में केंद्र सरकार ने पांच बड़े फैसले लिए थे। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा को रद्द करने का निर्णय भी शामिल था।

टकराया तो तबाह हो जाएगा पाकिस्तान, भारत के सामने पिद्दी पाक मिलिट्री की क्या औकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पहलगाम की वादियों में खून बहा तो पूरा देश सन्न रह गया। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा अंजाम दिए गए इस नरसंहार में 28 निर्दोष नागरिकों की जान गई। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए सिंधु जल समझौते पर रोक लगा दी है। भारत ने केवल जल संधि ही नहीं रोकी, बल्कि अटारी-वाघा बॉर्डर पर आम नागरिकों की आवाजाही भी ठप कर दी है। अपने स्टाफ को वापस बुला लिया है और पाक उच्चायोग से भी सैन्य सलाहकारों को चलता कर दिया गया है। ये सब दर्शाता है कि अब भारत की कूटनीति नरम नहीं बल्कि बेहद कड़ी हो चुकी है। वहीं पूर्व सैन्य अधिकारियों का बड़ा वर्ग सर्जिकल स्ट्राइक के बजाय सीधी कार्रवाई का पक्षधर है। उनका कहना है कि आतंकवाद की असली जड़ रावलपिंडी में बैठी पाकिस्तानी सेना

है। जब तक उन्हें खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक घाटी में खून की होली बंद नहीं होगी। ऐतिहासिक तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच चार बार युद्ध हो चुका है और हर बार पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली है। हालांकि, आधुनिक दौर में युद्ध का स्वरूप काफी बदल गया है। दोनों देशों के पास अब परमाणु हथियार हैं, लेकिन विशेषज्ञों की राय है कि भारत से टकराना पाकिस्तान के लिए अब भी असंभव के बराबर है। भारत के आगे पिद्दी है पाक सेना - ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत सैन्य ताकत में दुनिया में चौथे स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान बारहवें पायदान पर है। भारतीय थल सेना दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी है, जिसके पास करीब 14.5 लाख सक्रिय और 11.5 लाख रिजर्व सैनिक हैं। वहीं पाकिस्तान के पास करीब 6.5 लाख सक्रिय और 5.5 लाख रिजर्व सैनिक हैं। टैंकों की दहाड़ से कांपेगा पाक - जहां तक हथियारों का सवाल है, भारत के पास टैंकों, बख्तरबंद वाहनों और तोपों की संख्या पाकिस्तान से कहीं अधिक है। भारत का 'पिनाका' रॉकेट लॉन्चर पाकिस्तान के 'फतह' सिस्टम से कहीं ज्यादा उन्नत है। मिसाइलों की बात करें तो भारत के पास ब्रह्मोस, अग्नि-5, प्रलय और पृथ्वी जैसे मिसाइल हैं, जिनमें कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। पाकिस्तान की शाहीन, गजनवी और बाबर मिसाइलें क्षमता में भारत से कमजोर हैं।

अगर ऐसा हुआ तो इसे युद्ध की..., भारत के सख्त एक्शन से बौखलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पांच बड़े फैसले लिए हैं, जिससे पाकिस्तान बौखला उठा है। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक बुलाई। इस बैठक में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पैदा हुई स्थिति पर चर्चा की गई।

चर्चा ये भी की गई कि भारत फिलहाल कौन से कदम उठा सकता है। बता दें कि भारत ने बुधवार को सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी है। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद पाकिस्तान ने गीगद भभकी देते हुए चेतावनी दी कि अगर भारत ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो इसे युद्ध की कार्यवाही मानी जाएगी। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि सिंधु जल संधि को रोककर भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और ह्र प्रस्तावों का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान ने क्या फैसले लिए- भारत के पांच अहम फैसले के बदले पाकिस्तान ने बदले की भावना की कार्रवाई करते हुए कुछ फैसले लिए।

पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर बंद कर दिया है। वहीं, भारत से आने-जाने वाले लोगों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी। जो लोग वैध वीजा से पाकिस्तान गए हैं, उन्हें 30 अप्रैल तक वापस लौटने को कहा गया है। इसके अलावा भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस तत्काल बंद करने का फैसला लिया गया।

अब ये जान लें कि भारत ने मंगलवार को क्या पांच बड़े फैसले लिए?

960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 01 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं।

पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) वीजा के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं।

नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है। पाकिस्तान में मौजूद भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को भारत वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे।

42 साल तक बहरीन में क्यों फंसे रहे गोपालन, आखिरकार कैसे हुई वतन वापसी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के गोपालन चंद्रन की 42 साल बाद वतन वापसी हुई है। इसी के साथ बेटे को एक बार देखने और गले लगाने के लिए चार दशक से इंतजार कर रही उनकी बूढ़ी मां का इंतजार भी खत्म हो गया।

गोपालन 1983 में रोजगार की तलाश में बहरीन गए थे और फिर पासपोर्ट खो जाने से वहां फंस गए थे। प्रवासी लीगल सेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में 74 वर्षीय गोपालन चंद्रन की पूरी कहानी और वापसी की जानकारी दी।

कौन हैं गोपालन चंद्रन- गोपालन चंद्रन केरल के त्रिवेंद्रम के पास पावडिकोणम के एक छोटे से गांव के रहने वाले हैं। गोपालन परिवार की पालन-पोषण के लिए अच्छी नौकरी की तलाश में 16 अगस्त, 1983 को बहरीन पहुंचे थे। वे जब भारत से जा रहे थे, तब किसी युवा की तरह उनकी आंखों में भी बेहतर जिंदगी के ख्वाब और कुछ भविष्य की योजनाएं थीं, जबकि नियति को कुछ और ही मंजूर था।

गोपालन बहरीन में कैसे फंस गए- गोपालन चंद्रन के बहरीन पहुंचने के बाद उनके नियोक्ता (गोपालन को बहरीन बुलाने वाला शख्स) की असामयिक मौत हो गई। इसी के साथ नियोक्ता के पास जमा उनका पासपोर्ट व अन्य जरूरी दस्तावेज भी चले गए।

ऐसे में पासपोर्ट समेत अन्य जरूरी दस्तावेज न होने के चलते गोपालन चंद्रन आव्रजन प्रणाली के आधिकारिक रिकॉर्ड से बाहर हो गए। ऐसे में भारत लौटने की सारी उम्मीदें भी धूमिल हो गईं। परदेश में बिना पहचान और सहारे के रहना गोपालन के लिए किसी सजा से कम नहीं था।

प्रवासी लीगल टीम बनी फरिश्ता - इस बीच गोपालन ने यदा-कदा किसी तरह देश लौटने के लिए हाथ-पैर भी मारे थे, लेकिन कानूनी शिकंजे में फंसकर सालों-साल जेल में पड़े रहने के डर से शांत हो जाते थे। कानूनी रूप से अधर में लटकी जिंदगी जीते हुए गोपालन ने गुमनानी को अपनी किस्मत मान लिया था।

गोपालन चार दशक बाद प्रवासी लीगल सेल के बहरीन चैप्टर के अध्यक्ष सुधीर थिरुनीलथ की टीम के संपर्क में आए। जब प्रवासी लीगल सेल को उनकी पूरी कहानी पता चली तो संगठन के सदस्यों ने गोपालन की मदद करने और उनको वतन लाने की ठानी।

पाकिस्तान ने मिसाइल टेस्ट करने का एलान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से कड़े एक्शन लेने के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई है। भारत की तरफ से पहलगाम हमले के बाद लिए गए कड़े एक्शन के एक दिन के बाद ही पाकिस्तान ने मिसाइल टेस्ट करने का एलान किया है।

पाकिस्तान के इस एलान के बाद इस परीक्षण पर भारतीय एजेंसियां बारीकी से नजर रख रही है। यह परीक्षण ऐसे समय में हो रहा है जब मंगलवार को आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमला कर 26 नागरिकों की जान ले ली।

कब होगा मिसाइल परीक्षण

समाचार एजेंसी एएनआई रक्षा सूत्रों के हवाले से लिखा, पाकिस्तान ने 24-25 अप्रैल को अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट पर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने के लिए अधिसूचना जारी की है। संबंधित भारतीय एजेंसियां सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नज़र रख रही हैं।

पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद किया एयरस्पेस

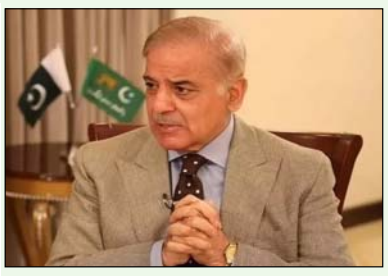

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार कुछ बड़ा एक्शन लेने की तैयारी में है। लगातार हो रही बैठकों और भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान घबराया हुआ है। सीसीएस की बैठक में भारत ने पहले ही अटारी चेक पोस्ट बंद करने और पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए कह दिया है।

अब बौखलाहट में पाकिस्तान ने भी भारतीय एयरलाइंस के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। इसका मतलब ये हुआ कि अब भारत की कोई भी एयरलाइन पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल कर नहीं जा पाएगी साथ ही पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर को भी बंद करने की घोषणा की है।

पहलगाम हमले से पहले पीएम मोदी सऊदी अरब के दौरे पर रवाना हुए थे। लेकिन हमले की खबर सुनते ही उन्होंने अपना दौरा रद कर दिया और वापस लौट आए थे। गौर करने वाली बात ये है कि पीएम मोदी का विमान सऊदी अरब जाते वक्त पाकिस्तानी एयरस्पेस से होकर गुजरा था।

US ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की, जम्मू-कश्मीर की यात्रा न करने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर की यात्रा न करने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के कई शहर हाई अलर्ट पर हैं।

अमेरिका ने दी चेतावनी- अमेरिकी विदेश विभाग ने अपनी सलाह में कहा है कि अमेरिकी नागरिकों को ये याद दिलाया जाता है कि विदेश विभाग ने जम्मू-कश्मीर के लिए यात्रा न करने की सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर में आतंकी हमले और हिंसक नागरिक अशांति संभव है। बता दें, भारत ने बुधवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमापार संबंधों के मद्देनजर 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया तथा पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कम करने की घोषणा की, जिसमें उसके सैन्य राजनयिकों को भारत से बाहर करना भी शामिल है।

भारत ने क्या-क्या एक्शन लिया - भारत ने अटारी चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने का भी फैसला किया है। इसके अलावा, देश ने सार्क वीजा छूट योजना के तहत जारी किए गए सभी वीजा को रद करने का फैसला किया है और पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है।

भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित घोषित कर दिया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। सुरक्षा उपाय के रूप में, भारत ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

35 सालों से लगातार काम कर रहा है हबल स्पेस टेलीस्कोप, नासा ने जारी की ब्रह्मांड की अद्भुत तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की 35वीं वर्षगांठ के मौके पर कुछ बेहद शानदार और हाई-डेफिनिशन तस्वीरें जारी की हैं, जो हमारे सौरमंडल के ग्रहों से लेकर दूर-दराज की आकाशगंगाओं तक की झलक दिखाती हैं।

नासा के मुख्यालय में खगोलभौतिकी विभाग के कार्यकारी निदेशक शॉन डोमागल-गोल्डमैन ने कहा, हबल ने 35 साल पहले ब्रह्मांड को देखने की एक नई खिड़की खोली थी। इसकी अद्भुत तस्वीरों ने दुनियाभर के लोगों को प्रेरित किया और इसके पीछे छिपे डेटा ने प्रारंभिक आकाशगंगाओं से लेकर हमारे सौरमंडल के ग्रहों तक कई चौंकाने वाले रहस्य उजागर किए। शॉन डोमागल-गोल्डमैन ने आगे कहा कि, आज भी इसका सक्रिय होना हमारे फ्लैगशिप ऑब्जर्वेटरी मिशनों की उपयोगिता को दर्शाता है। यह हमें भविष्य की हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्जर्वेटरी परियोजना के लिए प्रेरणा और तकनीकी सीख प्रदान करता है।

नीले रंग में दिखा मंगल ग्रह- नासा द्वारा जारी की गई पहली तस्वीर में मंगल ग्रह को एक असामान्य नीले रंग में दिखाया गया है। यह तस्वीर दिसंबर 2024 के अंत में ली गई थी, जिसमें हबल की अल्ट्रावायलेट क्षमता के चलते पतले बादलें भी देखे जा सकते हैं।

2.5 लाख लो और फ्लाइट से उतरो, डेल्टा एयरलाइन ने अपने यात्रियों से क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आए दिन विमान एयरलाइंस से जुड़ी अद्भुत घटनाएं सामने आती रहती हैं। इस बीच डेल्टा एयरलाइंस के विमान से जुड़ा एक अनोखा मामला सामने आया है। प्लेन यात्री ने इस घटना को लेकर बताया कि उसे फ्लाइट से उतरने के लिए 2.5 लाख का ऑफर दिया गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर bag_o नाम से जाने जाने वाले यूजर ने Reddit पर बताया कि आखिर हुआ क्या था। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार को शिकागो ओहारे से सिएटल जाने वाली डेल्टा फ्लाइट में हुई। उन्होंने लिखा, मैंने शिकागो ओहारे से सिएटल जाने वाली डेल्टा फ्लाइट में सुबह 7:50 बजे बुकिंग कराई थी।

गेट एजेंट धीरे से यात्री के पास गया और- यूजर ने बताया कि वह जोन 2 में बोर्डिंग पूरी कर चुका था, तभी एक गेट एजेंट चुपचाप आया और उसने 3,000 डॉलर के वाउचर के साथ दो स्वयंसेवकों को विमान से उतरने के लिए कहा। उन्होंने लिखा, कोई माइक नहीं, कोई बड़ी घोषणा नहीं मुआवजा 3,000 डॉलर है।

विमान अधिकारियों ने कहा, एलान के कुछ सेकंड बाद ही दो यात्रियों ने तुरंत प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। मैंने मुश्किल से इसे संसाधित किया था, इससे पहले मेरा हाथ हवा में था। कोई हिचकिचाहट नहीं। मैं किसी और को मुझसे आगे निकलने नहीं दे रहा था। इसके बाद एक अन्य यात्री ने तुरंत अपना हाथ उठाया।

अटारी से जाता है पाकिस्तान को खाना... कब हुई थी इसकी शुरुआत, बंद होने से पाक को कितना होगा नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई बड़े फैसले लिए हैं। इसमें सिंधु जल समझौते को रद करना, पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद कर उन्हें 48 घंटे के अंदर देश छोड़ने को कहा है।

इसके अलावा भारत ने अटारी चेक पोस्ट को भी बंद करने का फैसला किया है। अटारी भारत-पाकिस्तान की सीमा पर बसा अंतिम गांव है, जो अमृतसर से करीब 28 किलोमीटर दूर है। अटारी बॉर्डर से ही भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला व्यापार किया जाता है। प्राचीन काल से ही भारत व्यापार के लिहाज से बेहद अहम रहा है। भारत के मसाले और कपास दुनिया के व्यापारियों को आकर्षित करते रहे हैं। भारत को सेंट्रल एशिया से जोड़ने के लिए एक विशाल रूट था, जिसे उत्तरपथ कहते थे। इसे अब दुनिया ग्रैंड ट्रंक रोड के नाम से जानती है। करीब 3600 किलोमीटर लंबा ये रूट बांग्लादेश के टेकनाफ से शुरू होकर अफगानिस्तान के काबुल तक जाता है। इसी रूट पर चंडीगढ़, अमृतसर और लाहौर पड़ते हैं।

सहारा मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1500 करोड़ रुपये से अधिक की नई संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने सहारा समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 1,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नई संपत्तियां कुर्क की हैं।

16 शहरों में कुल 1,023 एकड़ भूमि कुर्क का आदेश जारी- ईडी ने पीएमएलए के तहत सहारा प्राइम सिटी लिमिटेड की 16 शहरों में कुल 1,023 एकड़ भूमि कुर्क करने के लिए एक आदेश जारी किया था। इन भूखंडों का कुल मूल्य 2016 सर्किल रेट के अनुसार, 1,538 करोड़ रुपये है।

भूखंड इन राज्यों में - एजेंसी ने कहा कि इन भूखंडों को बेनामी लेन-देन के माध्यम से खरीदा गया था, जिसमें सहारा संस्थाओं से धन भेजा गया था। ये भूखंड उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान और जम्मू और कश्मीर में स्थित हैं।

लोनावाला में एंबी वैली में 707 एकड़ जमीन जब्त की थी- पिछले सप्ताह ईडी ने महाराष्ट्र के लोनावाला में स्थित एंबी वैली में 707 एकड़ जमीन जब्त की थी, जिसकी कीमत 1,460 करोड़ रुपये है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला विभिन्न राज्य पुलिस विभागों द्वारा दर्ज 500 से अधिक एफआइआर से उपजा है।

पाकिस्तान ने मनाया पहलगाम हमले का जश्न? दिल्ली में पाक उच्चायोग में मंगाया गया केक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत में रोष है। पूरे भारत में लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। वहीं, मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया इसका शोक मना रही है।

पाकिस्तान के खिलाफ कई एक्शन- आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने कई बड़े फैसले लिए। भारत में पाक उच्चायोग के स्टाफ में कटौती करने का आदेश दिया गया है। इस बीच दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन केक मंगाए जाने का वीडियो वायरल हो रहा है।

पाक हाई कमीशन में मना जश्न- दरअसल, एक शख्स हाई कमीशन में केक ले जाता दिख रहा है। बाहर खड़े पत्रकार शख्स से केक को लेकर सवाल पूछ रहे हैं, लेकिन वो इसका जवाब नहीं देता। समाचार एजेंसी IANS ने वीडियो अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है- पाक नागरिक को पाकिस्तान उच्चायोग में केक ले जाते देखा गया।

बीजेपी नेता का दावा- इसके अलावा बीजेपी नेता नवीन कुमार जिंदल ने अपने एक्स अकाउंट पर इसका वीडियो शेयर किया है। बीजेपी नेता ने कहाकि पाकिस्तान हाई कमीशन में क्या पहलगाम हमले खुशी में जश्न मनाने की तैयारी हो रहा है।

दिल्ली-यूपी और राजस्थान समेत 11 राज्यों में गर्मी से हाहाकार, कई जगहों पर तीन दिन बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में इस वक्त गर्मी का प्रकोप जारी है। लोगों का गर्मी और लू से बुरा हाल है। वहीं कई राज्यों में बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में हीटवेव (लू) और भारी बारिश की चेतावनी देते हुए अलर्ट जारी किया है।

देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। साथ ही लू भी चल रही है। कई राज्यों में लू को लेकर मौसम विभाग की ओर से अलर्ट जारी है। उत्तर भारत के मौसम कि बात करें तो यहां लू के हालात बने रहेंगे। वहीं पहाड़ी राज्यों में हल्की बरसात और बर्फबारी देखने को मिल सकती है।

दिल्ली में लू की चेतावनी- दिल्ली में आज लू का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 40 से 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को भी लू का अलर्ट जारी किया गया है।

11 राज्यों में हीटवेव अलर्ट - मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, ओडिशा, पंजाब और दिल्ली में आज भीषण गर्मी का असर देखा जा सकता है। 24 से 26 अप्रैल के बीच बिहार और झारखंड के कई इलाकों में हल्की बारिश और आंधी की संभावना है। आईएमडी ने किशनगंज और अररिया के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

यूपी में कैसा रहेगा मौसम- उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में आज भी भीषण गर्मी जारी रहेगी। हालांकि, पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में मौसम विभाग ने आंधी और हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। वही पश्चिमी यूपी में लू के हालात बने रहेंगे। कानपुर, आगरा और लखनऊ जैसे जिलों में पारा 40 डिग्री पार जा सकता है। वहीं मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में लू की स्थिति बनी रहेगी।

पाकिस्तान से आए इन कुत्तों को..., ओवैसी ने पहलगाम हमले पर उठाए ये दो सवाल, बताया कैसे मिलेगा इंसाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इन आतंकयों के खात्मे से ही उन लोगों के परिवार को न्याय मिलेगा, जिनकी इसमें हत्या हुई है।

AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एक ऐसी जगह जहां इतने सारे पर्यटक थे, वहां एक भी पुलिस कर्मी या सीआरपीएफ कैंप नहीं था।

क्विक रिएक्शन टीम को मौके पर पहुंचने में एक घंटे से अधिक का समय लगा और इन कमीनों-हरमजादों ने लोगों से उनका धर्म पूछने के बाद उन्हें गोली मार दी।

ओवैसी ने उठाए सवाल- उन्होंने कहा कि वे पाकिस्तान से आए थे और पाकिस्तान उनका समर्थन करता है। वे सीमा कैसे पार कर गए? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? वे पहलगाम पहुंचे गए तो श्रीनगर भी पहुंच सकते थे... न्याय तभी होगा जब जवाबदेही तय होगी... हम आतंकी हमले की निंदा करते हैं।

पीएम से सर्वदलीय बैठक का आग्रह- बता दें कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि पहलगाम सर्वदलीय बैठक के लिए संसद में सदस्यों की संख्या की परवाह किए बिना सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया जाए।

ओवैसी ने रिजिजू से की फोन पर बात- ओवैसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने बुधवार रात केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से बात की और उन्हें बताया गया कि एनडीए सरकार केवल पांच या 10 सांसदों वाले दलों को आमंत्रित करने पर विचार कर रही है।

ओवैसी ने यह भी कहा कि जब उन्होंने पूछा कि कम सांसदों वाले दलों को क्यों नहीं? तो केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया कि बैठक बहुत लंबी हो जाएगी और उन्होंने मजाक किया कि एआईएमआईएम नेताओं की आवाज वैसे भी बहुत तेज है।

हमले से दुखी हूं..., फिल्म के विरोध के बीच पहलगाम अटैक पर बोले पाक एक्टर फवाद खान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में काम कर रहे पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने की मांग के बीच एक्टर फवाद खान ने पोस्ट किया है। फवाद खान ने कहा-जघन्य हमले की खबर सुनकर बहुत दुखी हैं।

एक्टर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, पहलगाम में हुए जघन्य हमले की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस भयावह घटना के पीड़ितों के साथ हैं, और हम इस कठिन समय में उनके परिवारों के लिए शक्ति और इलाज की प्रार्थना करते हैं। यह पोस्ट फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर फिल्म अबीर गुलाल की 9 मई को रिलीज से ठीक पहले आया है।

फिल्म 'अबीर गुलाल' को बायकॉट करने की मांग- फवाद खान की यह पोस्ट पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण आगामी फिल्म 'अबीर गुलाल' की लगातार हो रही आलोचनाओं के बीच आई है। 'अबीर गुलाल' में फवाद खान के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म से फवाद खान एक लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं।

फिल्म में फवाद खान के साथ हैं ये एक्टर - लेकिन अब इस आतंकी हमले के बाद उनकी फिल्म को लेकर कड़ा विरोध हो रहा है और इसे बायकॉट करने की मांग हो रही है। सोशल मीडिया पर कई यूजर इस फिल्म के चलते एक्टर वाणी कपूर को भी ट्रोल कर रहे हैं। ऐसे में रिलीज से पहले ही फवाद खान की कमबैक फिल्म मुश्किलों में पड़ गई है।

इससे पहले फिल्म कलाकारों के संगठन फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पाकिस्तानी कलाकारों, गायकों और तकनीशियनों के बहिष्कार का एलान किया था, जिसमें 35 अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वादशी

संपादकीय

आतंकवाद का स्थाई समाधान दशकों से नहीं निकल पा रहा है

आतंकवाद का स्थाई समाधान दशकों से नहीं निकल पा रहा है। यही समस्या भारत के लिए भी दशकों से बनी हुई है,परंतु अगर मजबूत इरादे हो व संकल्पों को क्रियान्वयन करने का हौसला हो तो कुछ असंभव नहीं है, इसी फार्मूले पर चलकर भारत ने नक्सलवाद माओवाद को 31 मार्च 2026 तक जड़ से समाप्त करने की डेड लाइन दी है, इस क्रिया से रिएक्शन ऐसा हो रहा है कि लाखों रुपए के इनामी खूंखार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं या फिर मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं क्योंकि स्थानीय लोगों का साथ शासन प्रशासन को मिल रहा है। यह चर्चा आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 22 अप्रैल 2025 को जो पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा हमला कर 27 सैलानियों को गोलियां चलाकर मार डाला गया है, यह घटना कश्मीर वासियों खासकर पहलगाम वासियों को नागवार गुजरी है और 35 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है कि इस घटना के विरोध में करीब करीब सभी पक्षों, संगठनों, कश्मीरीयों लोकल निवासियों द्वारा 23 अप्रैल 2025 को बंद का आह्वान किया गया था यहां तक कि मस्जिदों के लाउडस्पीकर से भी बार-बार बंद में शामिल होने की गुजारिश है की जा रही थी, ऐसा प्रोटेस्ट का माहौल मैंने अपने 40 वर्षों के आर्टिकल लेखन द्वारा मीडिया से जुड़े अपने करियर में कभी नहीं देखा। कश्मीर घाटी में हमले तो आनेकों हुए हैं परंतु उस क्षेत्र के लोकल निवासियों का ऐसा प्रोटेस्ट मैंने कभी नहीं देखा। कश्मीर लालचौक निवासी प्रसिद्ध प्रिंट व डिजिटल मीडिया सीएनएन के चीफ एडिटर व मेरे परम मित्र राशिद भाई जो प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया का अच्छा अनुभव भी रखते हैं उनसे मैंने मोबाइल फोन पर बातचीत कर इस घटना के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्होंने मुझे अनेकों वीडियो क्लिप भेजी जिसमें पहलगाम के लोकल निवासी इस घटना के विरोध में जोर-शोर से प्रोटेस्ट कर रहे हैं उन किल्पों में हम हिंदुस्तानी हैं, हिंदुस्तान हमारा है व इंडियन आर्मी जिंदाबाद इत्यादि अनेकों नारे आसानी से सुनें जा सकते हैं। राशिद भाई ने बताया कि यहां इस घटना से नागरिकों में काफी रोष भरा है, क्योंकि उनका रोजगार सैलानियों से जुड़ा है, इस तरह वहां के सीएम तथाविपक्षी नेताओं ने भी इस बारे में सरकार को पूरा सहयोग देने व घटना का जोरदार विरोध किया है व अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है,तो उधर केंद्र स्तर पर भी पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर इस घटना की जोरदार भर्त्सना की है, व दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है। मेरा मानना है कि अगर पूरे कश्मीर के निवासी, भारत सरकार, इंडियन आर्मी व दुनियाँ के सभी देश एक साथ हो जाएं तो आतंकवाद बच नहीं सकता,उसका भी डेडलाइन नक्सलवाद समाप्ति की तरह 31 मार्च 2026 निर्धारित किया जा सकता है। चूँकि दहशतगर्दी के विरोध में पूरा कश्मीर बंद सफ़ल हुआ पहलगाम वासी सड़कों पर उतरे तथा विरोध प्रदर्शन किया, मस्जिदों से भी लाउडस्पीकरों से बंद में शामिल होने की अपील की गई तथा 35 वर्षों में पहली बार कश्मीर भी आतंकवाद के खिलाफ रोड पर उतरा व इंडियन आर्मी जिंदाबाद,हम हिंदुस्तानी है हिंदुस्तान हमारा है,के नारे लगे इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कश्मीर वासियों का साथ, पूरी दुनियाँ का हाथ, भारत कीएक्शन पर तुरंत रिएक्शन की रणनीति लगातार चली तो, नक्सलवाद की तरह आतंकवाद पर भी डेड लाइन 31 मार्च 2026 घोषित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। साथियों बात अगर हम 35 वर्षों में पहली बार कश्मीर वासियों का आतंकवाद के खिलाफ़ रोडपर उतरने प्रोत्सट करने की करें तो, श्रीनगर से दिल्ली तक हलचल के बीच कश्मीर घाटी भी इस आतंकी वारदात के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है, इस जघन्य आतंकी वारदात के खिलाफ पहलगाम समेत कश्मीर के कई इलाकों में लोग प्रदर्शन करते नजर आए।ऐसा पहली बार है, जब कश्मीर के लोग आतंकियों के खिला खुलकर बोल रहे हैं, सत्ताधारी और विपक्षी, सभी दल इस वारदात के विरोध में एकजुट हो गए हैं तो वहीं हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जैसा संगठन भी घाटी बंद का आह्वान कर रहा है।

विश्व मलेरिया दिवस

विश्व मलेरिया दिवस सम्पूर्ण विश्व में 25 अप्रैल को मनाया जाता है। मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो मच्छर के काटने से फैलती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को यदि सही समय पर उचित इलाज तथा चिकित्सकीय सहायता न मिले तो यह जानलेवा सिद्ध होती है। मलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो हज़ारों वर्षों से मनुष्य को अपना शिकार बनाती आई है। विश्व की स्वास्थ्य समस्याओं में मलेरिया अभी भी एक गम्भीर चुनौती है। पिछले दो दशकों में हुए तीव्र वैज्ञानिक विकास और मलेरिया के उन्मूलन के लिए चलाए गए वैश्विक कार्यक्रमों के बावजूद इस जानलेवा बीमारी के आंकड़ों में कमी तो आई है, लेकिन अभी भी इस पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है।

शुरुआत- हर दिन का अपना एक ख़ास महत्त्व होता है। फिर चाहे वह खुशी का दिन हो या दुःख का। विश्व मलेरिया दिवस एक ऐसा ही दिन है, जिसे पहली बार 25 अप्रैल, 2008 को मनाया गया था। यूनिसेफ़ द्वारा इस दिन को मनाने का उद्देश्य मलेरिया जैसे ख़तरनाक रोग पर जनता का ध्यान केंद्रित करना था, जिससे हर साल लाखों लोग मरते हैं। इस मुद्दे पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम चलाने से बहुत-सी जानें बचाई जा सकती हैं।

क्या है मलेरिया- मलेरिया एक प्रकार का बुखार है। इसमें बुखार ठण्ड (कंपकपी) के साथ आता है। इस बुखार के मुख्य लक्षण हैं- सरदर्द, उलटी और अचानक तेज सर्दी लगना। मलेरिया मुख्यतः संक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर द्वारा काटने पर ही होता है। जब संक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह अपने लार के साथ उसके रक्त में मलेरिया परजीवियों को पहुंचा देता है। संक्रमित मच्छर के काटने के 10-12 दिनो के बाद उस व्यक्ति में मलेरिया रोग के लक्षण प्रकट हो जाते हैं। मलेरिया के रोगी को काटने पर असंक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर रोगी के रक्त के साथ मलेरिया परजीवी को भी चूस लेते हैं व 12-14 दिनों में ये मादा एनाफ़िलीज मच्छर भी संक्रमित होकर जितने भी स्वस्थ मनुष्यों को काटते हैं, उनमें मलेरिया फैलाने में सक्षम होते हैं। इस तरह एक मादा मच्छर कई स्वस्थ लोगों को भी मलेरिया ग्रसित कर देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट- डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) की एक रिपोर्ट कहती है कि साल 2000 से अब तक मलेरिया से होने वाली मौतों में 25 फीसदी से ज्यादा की कमी आई है। इसमें कहा गया है कि मलेरिया से सबसे ज्यादा प्रभावित 99 में से 50 देश 2015 तक मलेरिया के मामलों में 75 फीसदी तक की कमी लाने के रास्ते पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक़, इस उपलब्धि के बावजूद हकीकत यह है कि आज भी दुनिया में मलेरिया से हर साल क़रीब छह लाख 60 हज़ार लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से ज्यादातर बच्चे होते हैं। अफ़्रीका के उप सहारा क्षेत्र में आज भी मलेरिया की वजह से सबसे ज्यादा बच्चों की जान जा रही है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि दुनिया में हर साल मलेरिया के क़रीब 20 करोड़ नए केस सामने आते हैं। साधनों की कमी के कारण इनमें से बहुतों को स्तरीय इलाज तक नहीं मिल पाता।

भारत में मलेरिया की स्थिति- यदि गौर किया जाए तो भारत की स्वतंत्रता के बाद से अब तक हज़ारों लोग इस बीमारी की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। मलेरिया एक जटिल बीमारी है। मानव गतिविधियाँ और प्राकृतिक आपदाएं, जैसे- अत्यधिक वर्षा, बाढ़, अकाल और अन्य आपदाएं इस बीमारी की संक्रमण क्षमता को तेज़ीसे बढ़ाती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय मच्छर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) देश में प्रतिवर्ष क़रीब 15 लाख मलेरिया के मरीजों की संख्या दर्ज करता है। इनमें से 50 प्रतिशत मलेरिया प्लाज्मोडियम फैल्सीपरम मच्छर के काटने से फैलता है। एनवीबीडीसीपी द्वारा जारी पिछले 10 वर्ष के आकंड़ों पर अगर गौर करें तो मलेरिया से देश में वर्ष 2001 में 1005, 2002 में 973, 2003 में 1006, 2004 में 949, 2005 में 963, 2006 में 1707, 2007 में 1311, 2008 में 1055, 2009 में 1144 और 2010 में 767 लोगों की जान गई।

राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम- स्वतंत्रता के बाद मलेरिया पर रोकथाम के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (एनएमसीपी) चलाने के साथ ही डीडीटी का छिड़काव शुरू किया था, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुरोध पर वर्ष 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एनएमईपी) और आगे चलकर मोडिफ़ाइड प्लान ऑफ़ ऑपरेशन (एमपीओ) नाम से नई योजना शुरू की गई।

भारत सरकार के प्रयत्न- हाल के वर्षों में उड़ीसा, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ से मलेरिया के मामलों में तेज़ीसे वृद्धि हुई है। इनके अलावा अन्य राज्यों में भी इस महामारी का खतरा बना हुआ है। पिछले दशकों में शहरी इलाकों में भी मलेरिया के मामले तेज़ीसे सामने आए हैं। मलेरिया के प्रभावी रोकथाम और इलाज तक पहुंच के सीमित साधन होने की वजह से जनजातीय लोगों और ग़रीबों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा बना रहता है।

सरकार ने एमपीओ कार्यक्रम के तहत मलेरिया फैलने की पूर्व सूचना, शुरू में ही इस बीमारी की पहचान और त्वरित कार्रवाई के लिए कदम उठाने की व्यवस्था की है। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को सौ प्रतिशत मदद देने का भरोसा और लोगों को जागरूक करने के लिए देशभर में मलेरिया विरोधी महीना की शुरुआत की गई है। इसके अलावा देश के सात राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और राजस्थान में मलेरिया पर नियंत्रण के लिए सरकार ने विश्व बैंक की मदद से सितम्बर, 1997 से परिष्कृत मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत की है।

मलेरिया के मच्छरों को नष्ट करने के लिए कीटनाशकों के छिड़काव और जैव पर्यावरण उपायों को अपनाने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने देशभर के कुल 53,544 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर 53,500 पुरुष स्वास्थ्यकर्मियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर राज्यों में ख़ासकर मेघालय के शिलांग में कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए उनके बीच कॉमिक पुस्तकों का वितरण किया गया है।

उल्लेखनीय तथ्य- 25 अप्रैल विश्व मलेरिया दिवस का दिन है, जब मलेरिया को जड़ से मिटाने के लिए कारगार कदम उठाने के भरसक प्रयासों को हरी झंडी दी गई थी। साथ ही जनता को मलेरिया के प्रति जागरूक करने और इस रोग पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की पहल की गई थी।

मलेरिया पूरे विश्व में महामारी का रूप धारण कर चुका है। ख़ासकर विकासशील देशों में मलेरिया कई मरीजों के लिए मौत का पैगाम बनकर सामने आया है। मच्छरों के कारण फैलने वाली इस बीमारी में हर साल कई लाख लोग जान गवाँ देते हैं। प्रोटोजुअन प्लाज्मोडियम नामक कीटाणु मादा एनोफिलीज मच्छर के माध्यम से फैलते है। ये मच्छर एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे तक कीटाणु फैलाने का काम भी करते है। यूनिसेफ़ का मलेरिया को लेकर कहना है कि अफ़्रीका के कुछ देशों सहित अन्य देशों में मच्छर के कारण हो रही मौतों को रोकने के और अधिक उपाय करने होंगे। इसके अलावा ग्रामीण एवं ग़रीब लोगों वाले ऐसे क्षेत्रों तक ज्यादा पहुँच बढ़ानी होगी, जहाँ मलेरिया एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। यूनिसेफ़ के मुताबिक़ मलेरिया को आसानी से मात दी जा सकती हैं, बस ज़रूरत है विश्व को मलेरिया के ख़िलाफ़ एकजुट होने की।

मलेरिया एक वैश्विक जन-स्वास्थ्य समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर साल मलेरिया के कारण विश्व में हो रही मौतों की ओर लोगों का ध्यान खींचने के लिए 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले कई सालों से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) इस दिन को अफ़्रीका मलेरिया दिवस के तौर पर मनाता था, लेकिन दुनिया के बाक़ी हिस्सों में भी जागरूकता लाने के लिए इसे वैश्विक आयोजन का रूप दिया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर वर्ष क़रीब 50 करोड़ लोग मलेरिया से पीड़ित होते हैं; जिनमें क़रीब 27 लाख रोगी जीवित नहीं बच पाते, जिनमें से आधे पाँच साल से कम के बच्चे होते हैं।

मच्छर मलेरिया के रोगाणु का केवल वाहक है। रोगाणु मच्छर के शरीर में एक परजीवी की तरह फैलता है और मच्छर के काटने पर उसकी लार के साथ मनुष्य के शरीर में पहुँचता है। रोगाणु केवल एक कोषीय होता है, जिसे प्लास्मोडियम कहा जाता है।

म्यूचुअल फंड में नहीं हो रहा है मुनाफा, कहीं आप तो नहीं कर रहे हैं ये गलतियां?

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए अलग-अलग फंड उपलब्ध है। इनमें इक्विटी, डेट और हाइब्रिड मुख्य है। इसमें आप एसआईपी, एसटीपी और एसडब्ल्यूपी के जरिए निवेश कर सकते हैं। आज हम खास तौर पर एसआईपी के बारे में बात करने वाले हैं।

एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का सबसे आसान तरीका है। म्यूचुअल फंड एसआईपी में न्यूनतम 12 से 14 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न मार्केट के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

आज हम कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बात करेंगे, जो म्यूचुअल फंड में निवेश करते वक्त अकसर निवेशक करते आए हैं। ये गलतियां उन लोगों के लिए अर्लट है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं।

आमतौर पर ये देखा जाता है कि एसआईपी निवेशक शेयर बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं। वे ऐसी स्थिति में एसआईपी को बंद करने पर विचार करते हैं। ताकि उन्हें इससे ज्यादा नुकसान ना हो। जो कि पूरी तरह से गलत है। म्यूचुअल फंड में अगर आप मुनाफा चाहते हैं, तो लंबे समय के निवेश करें। लंबे समय में निवेश करने पर आपको मुनाफा देखने को मिलेगा।

इसके साथ ही जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो ये समय और निवेश करने के लिए बेहतर माना जाता है। क्योंकि इस समय शेयर की वैल्यू कम हो जाती है या आपको शेयर कम कीमत पर मिल जाते हैं। इसलिए ये समय एसआईपी रोकने का नहीं, बल्कि निवेश करने का समय होता है।

सही फंड ना चुनना- निवेशक को अपनी जरूरत के हिसाब से फंड का चयन करना चाहिए। जैसे अगर वे ज्यादा से ज्यादा प्रॉफिट चाहते हैं, तो इक्विटी फंड में निवेश करें। ऐसी ही अगर वे कम जोखिम वाले फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो डेट और हाइब्रिड फंड का चुनाव कर सकते हैं। इसके अलावा डिजिटल गोल्ड जैसे ईटीएफ में भी निवेश किया जा सकता है।

म्यूचुअल फंड में आपका पैसा फंड मैनेजर या एजेंट द्वारा निवेश किया जाता है। जिसके बदले आपसे चार्ज या फीस ली जाती है। वहीं म्यूचुअल फंड में होने वाला मुनाफा टैक्स के दायरे में आता है। इसके मुनाफे या प्रॉफिट में कितना टैक्स देना होगा, ये निवेश अवधि पर निर्भर करता है।

कम सैलरी में भी बचा लेंगे बड़ा अमाउंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर कोई बड़ी बचत करने के बारे में सोचता है। लेकिन बेमतलब के खर्चों में ही आम आदमी की पूरी सैलरी खत्म हो जाती है। अगर आप इस परेशानी से जूझ रहे हैं, तो नीचे बताई गई टिप्स आपके लिए काम की हो सकती है।

ये आपको सैलरी को सही तरीके से मैनेज करने में मदद करता है। इसके जरिए आप सैलरी का बड़ा अमाउंट सेव कर भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

सैलरी का ऐसे करें बटवारा- सेविंग और खर्चे सही तरीके से मैनेज करने के लिए जरूरी है कि ये सही तरीके से विभाजित हो। आप सैलरी को 40:30:20:10 रेश्यू में विभाजित कर सकते हैं। इसे आप खर्चों और सेविंग को सही तरीके से मैनेज कर पाएंगे। इसके साथ ही भविष्य के लिए इमरजेंसी फंड भी तैयार कर सकेंगे। उदाहरण से समझें

अगर किसी व्यक्ति की सैलरी 30 हजार रुपये प्रति माह है। तो 30 हजार का 40 फीसदी यानी 12 हजार रुपये जरूरी खर्चों के लिए रखें। वहीं 30 फीसदी पैसा यानी 9000 रुपये अपने शौक जैसे मूवी देखना, फैमली के साथ घूमना, ट्रेवलिंग इत्यादि के लिए रखें।

वहीं 20 फीसदी पैसा यानी 6000 रुपये इमरजेंसी फंड के लिए रख सकते हैं। जिसे आप भविष्य में होने वाली किसी भी आपातकालीन स्थिति या वित्तीय संकट जैसे गंभीर बीमारी, नौकरी छूटना इत्यादि में कर सकते हैं।

घर में कितना रख जा सकता है कैश, क्या कहता है नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनकम टैक्स ने पैसों से जुड़े अलग-अलग नियम बनाए हैं। जिससे धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का खतरा कम हो जाए। इनकम टैक्स द्वारा कैश ट्रांसफर या लेन-देन और पेमेंट को लेकर भी एक लिमिट तय की है।

इस लिमिट से ज्यादा पैसे ट्रांसफर करने पर आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकती है। इसलिए पैसों के ट्रांजेक्शन को लेकर एक ट्रांसपेरेंसी होनी चाहिए। ताकि भविष्य में कोई दिक्कत ना हो।

हमारे मन में अक्सर ये सवाल उठता है क्या ट्रांसफर लिमिट जैसे ही क्या घर में कैश रखने पर भी कोई लिमिट है?

कितना कैश रखने की है अनुमति - आपको बता दें कि इनकम टैक्स ने घर में कैश रखने को लेकर कोई नियम तय नहीं किया है। आप अपने घर में कितना भी कैश रख सकते हैं। हालांकि घर में मौजूद कैश या पैसे कहां से आए, इसे लेकर सबूत होना जरूरी है। नहीं तो आपको इनकम टैक्स का खतरा हो सकता है।

क्योंकि ऐसा कैश गैर कानूनी माना जा सकता है। इसे लेकर आप पर केस भी हो सकता है।

देना पड़ेगा 78त्न जुर्माना - ऐसे पैसे जिसका आपको सोर्स ना पता हो। वे अनडिस्क्लोज्ड इनकम मानी जाती है। वहीं ऐसी रकम पर आपको 78 फीसदी तक टैक्स या जुर्माना देना पड़ सकता है। इसलिए हमेशा अपने पास आए पैसे और किसी को पैसे भेजने का एक प्रूफ रखें।

वहीं पक्का बिल लेना भी काफी जरूरी है। ऐसी ही घर में सोना रखने पर भी लिमिट तय की गई है।

लगातार तीन दिन बढ़ोतरी के बाद लुढ़का बाजार, 300 से ज्यादा गिरा सेंसेक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी 24 अप्रैल को शेयर बाजार के लिए अच्छा नहीं रहा। हालांकि पिछले कुछ दिन बाजार में जमकर खरीदारी की जा रही थी। शेयर बाजार के मुख्य इंडेक्स में आज पूरे दिन बिकवाली का माहौल रहा। 24 अप्रैल को बीएसई सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा गिरकर 79,801 पर बंद हुआ है। इसके साथ ही एनएसई निफ्टी में लगभग 100 अंक गिरकर 24,246 पर क्लोज हुआ है। आज ऋद्धड्डद्यह्ल4 सेक्टर सबसे ज्यादा टूटा है। इसमें लगभग 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

इसके अलावा ऱ्स्नस्न्नह्ल सेक्टर में 1.06 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं फाइनेंशियल सर्विस लगभग 1 फीसदी टूटे हैं।

आज के टॉप गेनर्स और लूजर्स - बीएसई सेंसेक्स पर आज Morepen lab, Samhi, Kiocl, MMTC, Newgen टॉप गेनर्स बन चुके हैं। इसके साथ ही Syngene, Vijaya, Canfinhome, Nava, Kfintech टॉप लूजर्स बन चुके हैं।

एनएसई निफ्टी में Eldehsg, Modirubber, Repro, GSS, Mufin, Morepenlab टॉप गेनर्स बन गए हैं। इसके अलावा Syngene, Dgcontent, Mgel, DJML, SRD, Mhl&miru टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

HUL के मार्च तिमाही रिजल्ट हुए जारी, कंपनी ने निवेशकों को खुश करने के लिए बांटा डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुस्तान यूनिलीवर सहित कई बड़ी कंपनी ने अपना मार्च तिमाही रिजल्ट जारी किया है। कंपनी का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले कम हुआ है। पिछले वित्त वर्ष यानी 2024-25 में कंपनी को 2561 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वहीं इस वित्त वर्ष 2025-26 में नेट प्रॉफिट 2475 करोड़ रुपये रहा है।

नेट प्रॉफिट टैक्स के बाद हुआ मुनाफा होता है। इसके साथ ही कंपनी की कुल सेल 15,446 रुपये रही। जिसमें 3 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया है।

इसके साथ ही फाइनेंशियल ईयर खत्म होने के दौरान यानी 31 मार्च 2025 तक कंपनी की कुल सेल 62,288 रुपये रही है, जिसमें 2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं टैक्स, इंटरेस्ट, Depreciation से पहले कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 में प्रॉफिट 14,851 करोड़ रुपये रहा है, जिसमें 1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

निवेशकों को मिला कंपनी की तरफ से तोहफा - कंपनी ने अपने निवेशकों को दो अलग-अलग डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इनमें 10 रुपये का स्पेशल डिविडेंड और 24 रुपये का फाइनल डिविडेंड दिया जाएगा। इस तरह से निवेशकों का मिलने वाला कुल डिविडेंड 34 रुपये रहेगा।

क्या हुआ शेयर पर असर- हालांकि अभी दोपहर 13.08 बजे हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर्स गिरे हैं।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेक्स पर- हिंदुस्तान यूनिलीवर के एक शेयर की कीमत 2334 रुपये है। इसके शेयर में 87 फीसदी गिरावट आई है। इसके साथ ही एनएसई निफ्टी में हिंदुस्तान यूनिलीवर के एक शेयर की कीमत 2333 रुपये हैं। यहां इसमें 90 फीसदी की गिरावट आई है।

दोस्त से मिला गिफ्ट पड़ सकता है महंगा, इतने रुपये के तोहफे पर देना होगा टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैक्स सरकार की कमाई का जरिया है। टैक्स से मिले पैसों का उपयोग सरकार देश में विकास के लिए करती है। इसके साथ ही इन पैसों का उपयोग खर्चों के लिए भी किया जाता है। इन खर्चों में कई चीज शामिल हैं। जैसे सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, रोड बनाना, शिक्षा पर होने वाला खर्च इत्यादि।

टैक्स को साधारण बनाने के लिए जीएसटी को लाया गया था। जीएसटी के अलावा हमें इनकम टैक्स के नियम के हिसाब से अलग-अलग चीजों पर टैक्स देना होता है। जैसे इनकम टैक्स, कैपिटल गेन टैक्स इत्यादि। ऐसा ही एक टैक्स गिफ्ट पर भी लगाया जाता है। इस टैक्स को लगाने का उद्देश्य है कि कोई गिफ्ट के रूप में पैसों की हेराफेरी ना कर पाएं या कोई भी गलत काम ना कर सकें।

इसलिए गिफ्ट की कीमत पर इनकम टैक्स विभाग द्वारा एक लिमिट तय की गई है। लिमिट से ज्यादा की कीमत वाले तोहफे पर टैक्स लगाया जाता है। लेकिन इसमें

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

एमपी हाईकोर्ट ने गूगल, एपल, माइक्रोसाफ्ट और शाओमी को भेजा नोटिस, डाटा चुराने का लगा है आरोप

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने साफ्टवेयर कंपनियों पर मोबाइल एप के जरिए उपयोगकर्ताओं का डाटा चुराने और सायबर ठगी करने के आरोप के मामले में जवाब-तलब कर लिया है।

इस सिलसिले में इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, स्टैंडर्ड टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन डायरेक्ट्रेट (एसटीक्यूसी), सीडेक, गूगल, एपल, माइक्रोसाफ्ट और शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किए गए हैं।एप उपयोगकर्ता की सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो रहे

जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने अपना पक्ष स्वयं रखा। उन्होंने दलील दी कि मोबाइल में मौजूद प्री-इंस्टाल या गूगल प्ले स्टोर और एपल स्टोर से डाउनलोड किए गए एप उपयोगकर्ता की सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहे हैं।

मोबाइल डाटा चोरी का यंत्र बन गया ये एप उपयोगकर्ता की जानकारियां कई कंपनियों को साझा करती हैं, जो आगे चलकर एक सायबर ठगी का रूप भी ले सकती हैं। कई एप ऐसे होते हैं जिनमें कान्टेक्ट, फाइल्स या कैमरा का कोई उपयोग नहीं होता फिर भी इंस्टाल करने के बाद इन सभी एप्लीकेशन की परमिशन मांगते हैं। इस तरह से मोबाइल ही डाटा चोरी करने का एक यंत्र बन जाता है।

रोकथाम के लिए कड़े नियम बनाए जाएं देश में डिजिटल क्रांति के साथ-साथ सायबर धोखाधड़ी की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। आम नागरिकों की गोपनीय जानकारी, बैंकिंग विवरण और व्यक्तिगत डेटा चोरी हो जाते हैं। जनहित याचिका में कहा गया कि वर्तमान कानूनी ढांचा केवल तब सक्रिय होता है जब किसी एप के जरिए पहले ही नुकसान हो चुका होता है।अगर कोई एप नुकसान पहुंचा देता है, तब संबंधित एजेंसियां उसकी जांच करती हैं और उसे प्रतिबंधित करती हैं। जनहित याचिका में मांग की गई है कि इसकी रोकथाम के लिए कड़े नियम बनाए जाएं।

बेटे की पिटाई करने वाले बदमाशों को समझाने गए पिता के सिर पर मारी तलवार

भोपाल। कमलानगर क्षेत्र में बदमाश मामूली विवाद पर खुलेआम चाकूबाजी की वारदातें कर रहे हैं। कभी घर के सामने शराब पीकर उत्पात मचाते हैं तो कभी सरेराह लूट कर हमला करते हैं। बुधवार को एक बदमाश ने अपने पड़ोस के एक बच्चे से अकारण मारपीट शुरू कर दी और जब उसका पिता समझाने को आया तो बदमाशों ने उसकी पिटाई भी कर दी। साथ ही उसके सिर पर तलवार से हमला कर दिया।

कमलानगर पुलिस ने आरोपित बदमाशों पर प्रकरण दर्ज किया है। प्रधान आरक्षक सुनील मिश्रा ने बताया कि समीर सिंह परिहार झुग्गी माण्डवा क्षेत्र में रहकर ड्राइवरी का काम करता है। बुधवार दोपहर को उसके बेटे ने बताया कि पास की किराना दुकान पर राहुल और सलमान नामक बदमाश ने उससे मारपीट की।समीर दोनों को समझाने के लिए दुकान पहुंचा तो दोनों बदमाशों ने उससे विवाद शुरू कर दिया और लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। समीर ने विरोध किया तो गुस्साए सलमान ने उसके सिर पर तलवार मार दी। युवक लहूलुहान हुआ तो उसके स्वजनों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी कर दी गई। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

सीएम केयर के अंतर्गत सभी एमपी के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रारंभ होंगे कार्डियोलॉजी और कैंसर रोग विभाग

भोपाल। मध्य प्रदेश में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ने के कारण प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कैंसर और हृदय रोग (कार्डियोलॉजी) विभाग प्रारंभ किए जाएंगे। इनमें उपचार की अत्याधुनिक सुविधाएं रहेंगी। कैंसर की सिकाई के लिए रेडियोथेरेपी मशीनें और सर्जरी के लिए आपरेशन थिएटर होंगे। इसी तरह से हृदय रोगों के उपचार के लिए एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, हार्ट की सर्जरी और वाल्व बदलने की सुविधा होगी। सीएम केयर के अंतर्गत ये सुविधाएं प्रारंभ की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि कुछ कॉलेजों में बड़ी सुविधाएं सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से भी प्रारंभ की जा सकती हैं।

मध्य प्रदेश के 18 जिलों में लू की चेतावनी, कई शहरों में 40 डिग्री के ऊपर पहुंचा तापमान

भोपाल । गर्म हवा चलने का सिलसिला बने रहने से प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर बरकरार हैं। इसी क्रम में बुधवार को सभी शहरों में अधिकतम तापमान 40 से 44.2 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा। सर्वाधिक 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया। रतलाम एवं छिंदवाड़ा में लू का प्रभाव रहा।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन-चार दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। इस दौरान कुछ और शहरों में भी लू चल सकती है। बुरहानपुर, खंडवा, रतलाम, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पांढुर्णा जिलों में लू चल सकती है।तीन-चार दिनों तक ऐसा ही रहेगा मौसम उत्तर-दक्षिणी द्रोणिका उत्तरी छत्तीसगढ़ से विदर्भ, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक से तमिलनाडु होते हुए मन्नार की खाड़ी तक बनी हुई है। गुरुवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के हिमालयीन क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। मौसम का इस तरह का मिजाज अभी तीन चार दिनों तक बना रह सकता है। बादल आने की संभावनाउसके बाद कुछ बादल आने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ रहा है। हवा का रुख उत्तर-पश्चिमी हो रहा है। इस वजह से तापमान में मामूली घट-बढ़ हो सकती है। साथ ही कुछ और शहरों में भी लू चल सकती है।

भोपाल के भेल कारखाने में कचरे में लगी आग, कई किमी दूर से दिख रहा धुआं... ऑयल टंकियों में धमाके की सूचना

भोपाल। भेल कारखाने के नौ नंबर मटैरियल गेट के भीतर कचरे में आग लग गई। सुबह 11 बजे यहां मटैरियल के स्क्रैप में आग लगी। इसके बाद से फायर ब्रिगेड आग को बुझाने की कोशिश में लगी रही। भेल का सीआईएसएफ के फायर अमला आग बुझाने में लगा हुआ है। अभी आग लगने का कारण का पता नहीं लग पा रहा है। आग की लपटे इतनी तेज थीं, जिससे आस-पास के पेड़ जल गए। आग का धुआं 15 किलोमीटर दूर से आते-जाते लोगों दिखा। इससे दशहत मच गई।भेल प्रबंधन ने नहीं की टंकियों में धमाके की पुष्टि

कहा जा रहा है कि भेल कारखाने के भीतर ऑयल की टंकियां भी रखीं थीं, जिसमें ब्लास्ट होने से आग तेज गति से फैल गई। हालांकि अभी भेल प्रबंधन की ओर से टंकियों की ब्लास्ट होने पुष्टि नहीं की गई है। भेल में आग की सूचना मिलने से कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों ने आग की घटना को संज्ञान में लिया है।भेल के प्रवक्ता विनोदानंद झा ने बताया कि कचरे में आग लगी है। गेट नंबर नौ से मटैरियल लेकर आते-जाते हैं। ड्राइवर लोग मटैरियल का कचरा फेंक देते हैं, जिसमें आग लग गई। अब आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

प्रदेश में पदोन्नति और वेतन लाभ का मामला अटका, कब से मिलेगा तय नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में नौ वर्ष के बाद पदोन्नति नियम तैयार किए जा रहे हैं लेकिन वेतन के लाभ का मामला अटका हुआ है। यह कब से दिया जाएगा, तय नहीं हो पा रहा है। सरकार ने पदोन्नति बंद होने के कारण कर्मचारियों की नाराजगी को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर उच्च पदों का प्रभार तो दिया लेकिन आर्थिक लाभ नहीं दिया।

अब जब पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ होगी तो वेतन लाभ 2016 से दिया जाए या फिर आदेश के समय से, इस पर कोई राय नहीं बन पा रही है। प्रदेश में पदोन्नति नियम 2002 के निरस्त होने के बाद वर्ष 2016 से पदोन्नतियां बंद हैं।बड़े पद

खाली होते जा रहे थे

सेवानिवृत्ति होते रहने और पदोन्नति न होने के कारण उच्च पद रिक्त होते जा रहे थे। इसे देखते हुए उच्च पद का प्रभार देकर काम तो चलाया गया लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों को आर्थिक लाभ नहीं हुआ।वेतन लाभ का मामला अटका प्रभार संबंधी आदेश में इसका उल्लेख किया गया कि आर्थिक लाभ नहीं दिया जाएगा और न ही वे इसका दावा कर सकेंगे लेकिन कर्मचारी आश्वस्त हैं कि सरकार उन्हें निराश नहीं करेगी और हक मिलेगा। वेतन लाभ का मामला अटका हुआ है। यह कब से दिया जाए, इसको लेकर शासन स्तर पर कोई राय नहीं बनी है। वित्त विभाग के साथ अभी जो अनौपचारिक चर्चा हुई है, उसमें वह इस बात को लेकर सहमत नहीं है कि पुरानी तारीख से आर्थिक लाभ दिया जाए यानी जिस तिथि से पदोन्नति दी जाए, उस समय से ही आर्थिक लाभ भी दिया जाए।

आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम सेक्टर में टेक डेस्टिनेशन बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

इंदौर। मध्यप्रदेश ने विगत वर्षों में देश में टेक डेस्टिनेशन के रूप में स्वयं को तेजी से स्थापित किया है। आईटी, आईटीईएस और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) क्षेत्रों में उल्लेखनीय निवेश आकर्षित करते हुए राज्य में निवेश प्रतिबद्धताओं को जमीनी स्तर पर बदलने की दिशा में प्रभावशाली कार्य हुआ है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिकस विकास निगम (एमपीएईडीसी) के नेतृत्व में निवेश संवर्धन टीम की प्रभावी भूमिका ने इस बदलाव को संभव बनाया है। इसके परिणामस्वरूप रोजगार के नए अवसर सृजित और तकनीकी आधारभूत संरचना भी सशक्त हुई है।

राज्य के दो उभरते तकनीकी केंद्र इंदौर और भोपाल इन क्षेत्रों में निवेश के लिये आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। एलटीआई माइंड-ट्री, पंचशील रियल्टी और कॉग्निजेंट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने इंदौर में आईटी और इंफ्रॉस्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में भरोसे के साथ निवेश किया है, वहीं भोपाल ने इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग, नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ), बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) और डाटा सेंटर की स्थापना के लिए निवेशकों को आकर्षित किया है।

इंदौर में पंचशील रियल्टी द्वारा एक हजार करोड़ रूपये का निवेश और 15 हजार रोजगार सृजित- इंदौर में एलटीआई माइंड-ट्री द्वारा किए गए 870 करोड़ रुपये के बड़े निवेश से 10 हजार से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। यह निवेश उदाहरण है कि इंदौर शहर अब देश का एक प्रमुख टैलेंट हब बनता जा रहा है। इसी प्रकार, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर पंचशील रियल्टी ने 1,000 करोड़ रुपये का निवेश कर 15 हजार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। इसके अतिरिक्त, कॉग्निजेंट और हेक्सावेअर टेक्नोलॉजीज़ ने भी इंदौर और भोपाल में केपीओ और बीपीओ सेक्टर में क्रमशः 80 करोड़ रुपये और 50 करोड़ रुपये का निवेश कर दोनों शहरों की तकनीकी पहचान को और मजबूत किया है। इंदौर नवाचार केंद्र के रूप में लगातार विकसित हो रहा है। आईआईटी इंदौर में दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की स्थापना की जा रही है। यह अनुसंधान और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाला एक उत्कृष्ट इनक्यूबेशन सेंटर होगा। मध्यप्रदेश तकनीकी प्रगति और स्टार्ट-अप संस्कृति के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है।

भोपाल में डाटा सेंटर कंपनी कंट्रोल एस का 500 करोड़ रूपये का निवेश- भोपाल की रणनीतिक स्थिति ने इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग और डाटा सेंटर के क्षेत्र में निवेशकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है। केयन्स टेक्नोलॉजी ने 352 करोड़ रुपये का निवेश और 2 हजार से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। इसके साथ ही, प्रमुख डाटा सेंटर कंपनी कंट्रोल-एस ने 500 करोड़ रुपये का निवेश कर राज्य की डिजिटल इंफ्रॉस्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। आईटी/आईटीईएस क्षेत्र की कंपनी ज़ेबिया ने भी भोपाल में निवेश कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान किये हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और एमपीएसईडीसी की संयुक्त पहल ने इन निवेशों को साकार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नीति क्रियान्वयन, आधारभूत संरचना विकास और उद्योग सहभागिता में विभागीय सक्रियता ने राज्य को आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्रों में एक संभावित गंतव्य से वास्तविक और समृद्ध निवेश स्थल में परिवर्तित कर दिया है। प्रगतिशील नीति ढांचे, कुशल मानव संसाधन की बढ़ती उपलब्धता और डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मध्यप्रदेश वह सफलता गढ़ रहा है, जो आने वाले समय में इन क्षेत्रों में विकास को नई परिभाषा देगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम 28 मई को

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन की योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अन्तर्गत निर्धन, जरूरतमंद निराश्रित कन्या/विधवा/परित्यक्ता का सामूहिक विवाह कार्यक्रम जनपद पंचायत सांवेर द्वारा 28 मई को आयोजित किया जायेगा। योजना में लाभान्वित कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अन्तर्गत कन्याओं को 49 हजार रुपये का हितलाभ दिया जाता है।

जनपद पंचायत सांवेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि इच्छुक पात्र आवेदक सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने के लिये कार्यालय जनपद पंचायत सांवेर में 14 मई 2025 तक कार्यालयीन समय में आवेदन जमा कर सकते है। 14 मई 2025 के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में पंजीयन/आवेदन के लिए समग्र परिवार आईडी की नवीनतम छायाप्रति (वर एवं वधु का समग्र ईकेवायसी होना अनिवार्य है), कन्या के राष्ट्रीयकृत बैंक का बचत पासबुक की छायाप्रति, आयु प्रमाण पत्र (अंकसूची/टी.सी., जन्म प्रमाण पत्र, परिचय पत्र) के लिये दस्तावेज मान्य होंगे। आवेदक/परिवार का मूल निवासी प्रमाण-पत्र, वर एवं वधु का आधार कार्ड, यदि कन्या/वर अन्य निकाय के हैं तो संबंधित निकाय के अधिकारी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र/जांच प्रतिवेदन अनिवार्य है। वर एवं वधु की तीन-तीन कलर पासपोर्ट साईज फोटो। यदि कन्या अथवा वर निःशक्त है, तो सक्षम मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र। वर एवं वधु के राशनकार्ड की छायाप्रति, यदि वधु कल्याणी हैं।

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत समूह की महिलायें ग्राम स्तर पर कर रही जागरुकता का कार्य

इन्दौर। पोषण पखवाडे के अंतर्गत इन्दौर जिले के म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित 4 हजार से अधिक स्व-सहायता समूहों की सदस्यों के साथ यह पोषण पखवाडा जिले की 40 प्रशिक्षित समूह सदस्य पोषण सखियों के साथ मनाया जा रहा है। इस पोषण अभियान के तहत विभिन्न प्रकार कि गतिविधियां पोषण सखियों द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से की जा रही हैं, जिसमें बच्चों के जन्म से लेकर गर्भवस्था के 1000 दिवस के महत्व के साथ गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण एवं संस्थागत प्रसव के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं के खून की जांच करवाने के साथसाथ एनीमिक पाई जाने वाली महिलाओं को आंगनवाडी केंद्र की मदद से पौष्टिक आहार लेने के लिये जागरूक करना एवं घर में पोषण वाटिका लगाने हेतु समूह सदस्यों को प्रेरित करना इत्यादि प्रमुख गतिविधिया की जा रही हैं।

जल जीवन मिशन और जल गंगा संवर्धन के कार्यों को मिशन मोड में करें : प्रमुख सचिव श्री नरहरि

इंदौर जिले के समस्त ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने का कार्य पूर्णता की ओर

इंदौर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश के 111.77 लाख परिवारों में से 77.12 लाख (69 प्रतिशत) परिवारों को नल से जल उपलब्ध हो गया है तथा शेष ग्रामों में कार्य प्रगतिरत है। बुरहानपुर को देश का प्रथम हर घर जल प्रमाणित जिला बनने का गौरव प्राप्त है। निवाड़ी जिले को समस्त ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराते हुये हर घर जल जिला घोषित किया जा चुका है। इंदौर जिले के समस्त ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने का कार्य पूर्णता की ओर है तथा शीघ्र ही इंदौर जिले को हर घर जिला घोषित किये जाने की कार्रवाई प्राथमिकता पर की जा रही है।

विभाग द्वारा एकल ग्राम नल जल योजनाओं को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराने हेतु प्रत्येक स्तर पर समुचित प्रयास किये जा रहे है।

प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि ने वीडियो कांफ्रेसिंग से जल जीवन मिशन सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा की। जल जीवन मिशन के कार्यों में रूचि न लेने तथा कार्यों की अत्यंत धीमी प्रगति के कारण श्री त्रिलोक सिंह बरकड़े, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की खण्ड सिंगरौली को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सागर, जबलपुर, उमरिया, दतिया, सतना, विदिशा, गुना, अलीराजपुर, रतलाम, दमोह एवं मंदसौर के कार्यपालन यंत्रियों को कारण बताओ सूचना जारी किये गये है।

अश्वगंधा खेती पर किसानों व स्व-सहायता समूहों के लिए ग्राम रंगवासा में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि हेतु मध्यप्रदेश औषधि पादप बोर्ड के तत्वावधान में आयुष विभाग इंदौर द्वारा देवारण्य योजना के अंतर्गत ÷एक जिला एक उत्पाद - अश्वगंधा पहल के तहत अश्वगंधा खेती पर दो दिवसीय किसानों व स्व-सहायता समूहों का खंडस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड हातोद ग्राम रंगवासा में किया गया। कार्यशाला में 13 स्व-सहायता समूह और 37 किसानों को अश्वगंधा की वैज्ञानिक खेती, इसके औषधीय महत्व और होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया, डॉ. डी.एस. चौहान, उप संचालक उद्यानिकी विभाग, श्री प्रवीण चौहान द्वारा अश्वगंधा के औषधीय महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बख्तियार अशर्फी आयुष विंग द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. सोलापुरकर को दी श्रद्धांजलि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान राजेंद्र नगर पहुँचे। उन्होंने श्री मयंक सोलापुरकर के परिजनों से भेंट की और स्व. श्री प्रकाश सोलापुरकर के निधन पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बँधाया। उन्होंने स्व. सोलापुरकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा एवं इंदौर के जन प्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में का आयोजन इंदौर में 27 अप्रैल को

जीआईएस 2025 के इरादों को निवेश में बदलने की पहल

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग 27 अप्रैल को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 की मेज़बानी करने जा रहा है। यह विशिष्ट आयोजन ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 के दौरान की गई महत्वपूर्ण निवेश घोषणाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने के लिए किया गया है। ÷जीआईएस 2025 के इरादों को निवेश में बदलना÷ थीम के तहत, यह कॉन्क्लेव मध्य प्रदेश के निष्पादन को तेज़ करने, नीति कार्यान्वयन को गहरा करने और तकनीकी विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। जो डिजिटल परिवर्तन और नवाचार आधारित आर्थिक विकास के लिए राज्य के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करेंगे। मध्य प्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि ÷यह सम्मेलन केवल दृष्टिकोण के बारे में नहीं है, बल्कि यह कार्रवाई के बारे में है। जीआईएस 2025 के बाद से केवल दो महीनों में, हम जमीनी स्तर पर परिणाम दिखा रहे हैं। प्रमुख परियोजनाओं के भूमि पूजन से लेकर नई आईटी इकाइयों के लिए आवंटन पत्र जारी करने तक का कार्य होगा। हम दिखा रहे हैं कि मध्य प्रदेश कितनी तेजी से एमओयू से मील के पत्थर तक पहुंचता है। एमपीएसईडीसी इंदौर के स?टॉफ महाप्रबंधक एवं नोडल अधिकारी (एस एंड टी) श्री द्वारकेश कुमार सराफ ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों और उद्योग संघों की भागीदारी होगी। इनमें से कुछ प्रमुख नाम हैं - गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, सीमेंस ईडीए, एएनएसआर, थोलोन्स, योटा इंफ्रास्ट्रक्चर, सीटीआरएलएस, रैकबैंक, नेटलिंक, इन्फोबीन्स, डेटा इंजीनियस ग्लोबल, केनेस टेक्नोलॉजी, एचएलबीएस टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पंचशील रियल्टी, एम्बर एंटरप्राइजेज, केदारा कैपिटल, बोस्टन इंडिया, प्राइमस पार्टनर्स, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया और कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. नथानियल के पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में मृत इंदौर के स्व. श्री सुशील नथानियल की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयरपोर्ट इंदौर में शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलते ही उनके परिजन फूट-फूट कर रो पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिजनों को दिलासा दिलायी और कहा कि दुख और शोक की इस घड़ी में न केवल प्रदेश अपितु पूरा देश उनके साथ है। दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पंचक्रोशी यात्रा में इस बार युवा वर्ग की दिख रही है खास दिलचस्पी

मालवा की संस्कृति और धार्मिक परम्परा की प्रतीक पंचक्रोशी यात्रा जारी

उज्जैन । उज्जैन में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पंचक्रोशी यात्रा प्रारंभ हो गई है। इस बार की यात्रा में प्रौढ़ और वृद्ध आयु वर्ग के श्रद्धालुओं के अलावा युवा वर्ग भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

विभिन्न पड़ाव स्थलों पर जिला प्रशासन के द्वारा माकूल व्यवस्थाएं तो की ही गई हैं, लेकिन साथ ही साथ स्थानीय नागरिक भी पंचक्रोशी यात्रा में बढ़-चढ़कर अपनी ओर से सेवाएं दे रहे हैं। पंचक्रोशी यात्रा के विभिन्न पड़ाव स्थलों पर यात्रियों के लिए शरबत, खिचड़ी, स्वल्पाहार, भोजन, ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है।

पंचक्रोशी यात्रा के प्रमुख पड़ाव स्थलों में से एक करोहन स्थित कायावरोहणेश्वर महादेव मंदिर पड़ाव स्थल पर गुरुवार को काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मध्य मार्ग में लोगों ने कुछ समय

रुक कर विश्राम किया और फिर अपने गंतव्य की ओर निकल पड़े।

कई यात्री बीच में रख कर मालवा के प्रसिद्ध व्यंजन दाल बाटी को बनाते हैं और परिवार सहित भोजन करते हैं। विश्राम कर भजन कीर्तन करते हैं। वास्तव में पंचक्रोशी यात्रा श्रद्धा और धार्मिक परंपरा की यात्रा के साथ-साथ आनंद, उत्सव, आपसी सहयोग, और सामंजस्य को बढ़ाने वाली यात्रा भी है। इस यात्रा में न सिर्फ लोग साथ में यात्रा करते हैं बल्कि उनका आपसी प्रेम और विश्वास भी बढ़ता है।

शासन द्वारा विभिन्न पड़ाव स्थलों पर पेयजल और फव्वारों की पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है। इसका सभी लोग लाभ ले रहे हैं। रास्ते में लगाए गए ठंडे पानी के फव्वारे में श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी से राहत मिलती है। वे हाथ मुंह धोकर कर, ठंडा पानी पीकर एक बार पुनः तरो ताज होकर अगले गंतव्य की ओर निकल पड़ते हैं। रास्ते में आने वाले प्रमुख मंदिरों में भजन कीर्तन का दौर चलता रहता है । श्रद्धालु इन पर आनंदित होकर नृत्य करते हैं। सभी पड़ाव स्थलों पर धर्म और आस्था का मेला सा लग जाता है। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और निःशुल्क पेयजल के कई काउंटर लगे रहते हैं। जिला प्रशासन की ओर से सभी पड़ाव स्थलों पर फायर ब्रिगेड, सांची दुग्ध संघ के द्वारा ठंडे पानी के टैंकर, कचरा गाड़ी, खोया पाया केंद्र, माईक अनाउंसमेंट सिस्टम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शासकीय उचित मूल्य दुकान, मलहम वितरण केन्द्र आदि सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

गोपाल मंदिर पर विधिवत् पूजन–अर्चन उपरांत शिवरथ यात्रा में शामिल हुआ

पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती एवं संस्थापक श्री अशोक प्रजापत द्वारा किया गया पूजन शिवरथ का प्रथम पडाव ग्राम करोहन में

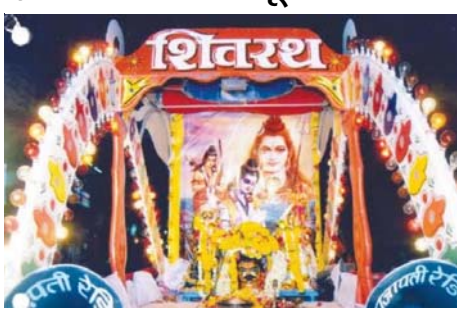

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन के चारों द्वारों का 5 दिन में भ्रमण और 118 किलोमीटर लंबी यात्रा की शुरुआत वैशाख कृष्ण पक्ष की दशमी से हो गई है। यह आस्था की ऐसी यात्रा है, जिसमें तपती दोपहरी में लाखों श्रद्धालु माथे पर गठरी रखकर इस यात्रा को पूरा करते है।

साथ ही 'हाथ लकड़िया चंदन की, जय बोलो यशोदा नंदन की' की गूंज के साथ ही हरि से कर लो मित्राचार, हरि लगावे बेडा पारा के भजनों से समा गूंजित हो रहा है। जानकारी देते हुए शिवरथ प्रभारी पं. लोकेन्द्र श्रोत्रिय (बब्बू गुरू) एवं संयोजकद्वय पं. कुलदीप जोशी एवं रवि प्रजापत ने बताया की इस वर्ष पंचकोशी यात्रा में शिवरथ का 30 वॉ वर्ष है। सेवा, शक्ति एवं समर्पण के लक्ष्य को धारण कर श्री महालयेश्वर भागवत समिति खत्रीवाडा उज्जैन द्वारा आकर्षक साज-सज्जा के साथ इंद्रधनुषी सौंदर्य लेकर हजारों की तादाद् में पधारे यात्रियों के साथ निरंतर यात्रा मार्ग में पांच दिवस तक सम्मिलित रहेगा। कल दिनांक 23 अप्रेल 2025 को सांयकाल 07:30 बजे गोपाल मंदिर पर शिवरथ की आरती एवं पूजन पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती शिवरथ संस्थापक एवं माटीकला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक प्रजापत, समाजसेवी भगवानदास प्रजापत, विजय अग्रवाल द्वारा किया गया।

अक्षय तृतीया पर श्री परशुराम मंदिर पर होगा महाभिषेक, महाआरती

उज्जैन। अ.भा. युवा ब्राह्मण समाज और श्री परशुराम पारमार्थिक सेवा न्यास की बैठक हुई जिसमें निर्णय लिया कि वैशाख शुक्ल पक्ष अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर श्री परशुराम भगवान का भव्य पंचामृत महाभिषेक पूजन और महाआरती की जाएगी। अ.भा. युवा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अर्पित पुजारी ने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार, ब्राह्मणों के आराध्य श्री परशुराम जी का मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा, विशाल, अद्भुत और भव्य मंदिर चाणक्यपुरी, नानाखेड़ा उज्जैन में स्थित है।

पुष्प वर्षा के साथ आजाद हिंद पैनल ने पंचकोशी यात्रियों को पिलाया रसना शरबत

उज्जैन। आजाद हिंद पैनल जिला उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पंचकोशी यात्रा के प्रथम पड़ाव से दूसरे पड़ाव के बीच ग्राम करौंदिया में गिट्टी खदान पर हजारों की संख्या में संस्था के जिलाध्यक्ष डॉ घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में पंचकोशी यात्रियों का पुष्प वर्षा के साथ रसना शरबत पिला कर आत्मीय अभिनंदन' किया।

उक्त जानकारी के युवा इकाई के अध्यक्ष शुभम शर्मा ने देते हुए बताया कि पंचकोशी यात्रा के प्रारम्भ दिवस पर होने पर संस्था द्वारा 9:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 बजे तक करीब 3000 से अधिक पंचकोशी यात्री जिसमें माताएं ,बहने जो नागरिक गण एवं बच्चे शामिल थे का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया एवं तीन ड्रम कृष्ण शर्बत बनाकर गर्मी से राहत प्रदान की, इस अवसर पर श्रीमती पुष्पलता शर्मा, जितेंद्र शर्मा, राजेन्द्र कड़ेल, अजय गर्ग, कैलाश बंजारा, बागसिंह आदि के साथ खदान के कर्मचारियों ने सेवाएं देकर पंचकोशी यात्रियों का आत्मीय अभिनंदन किया।

जब तक आत्मरक्षा के लिए शस्त्र नहीं उठाया जाएगा, तब तक धर्म और राष्ट्र दोनों असुरक्षित

उज्जैन। हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीयों की नृशंस हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस अमानवीय कृत्य पर इस युग के श्रेष्ठ आचार्य प. पू. 108 श्री विद्यासागरजी महाराज एवं प. पू. आचार्य 108 श्री समयसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री विनम्रसागरजी महाराज ने अपने अत्यंत भावुक, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रवचन में स्पष्ट किया कि अब केवल संवेदना नहीं, संकल्प की आवश्यकता है।

मुनिश्री वर्तमान में उज्जैन के फ्रीगंज स्थित दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में विराजमान हैं, जहाँ उनके नित्य प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 9 बजे मंदिर परिसर में आयोजित होते हैं। प्रवचनों में धर्म, समाज और राष्ट्र के हित के विचारों की त्रिवेणी प्रवाहित

होती है। उन्होंने अपने प्रवचन में तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की वाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक आत्मरक्षा के लिए शस्त्र नहीं उठाया जाएगा, तब तक धर्म और राष्ट्र दोनों असुरक्षित रहेंगे।

उन्होंने चार प्रकार की हिंसा आरंभिक, औद्योगिक, विरोधी और संकल्पी हिंसा का विवेचन करते हुए स्पष्ट किया कि विरोधी हिंसा धर्म की मर्यादा में है, पर संकल्पपूर्वक हिंसा वर्जित है। उन्होंने यह भी कहा कि ÷सीमा पर सैनिक द्वारा चलाई गई गोली कभी भी पाप नहीं होती, वह राष्ट्र रक्षा की साधुता है। ÷कश्मीर हमले पर मुनिश्री ने कहा ¯ए के-47 से मारने वाले सिर्फ मोहरे हैं। असली दोषी वे हैं जो इन्हें पालते हैं, हथियार देते हैं, और भारत में पनाह देते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनएसए अजीत डोभाल, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को देश के चार धर्मस्तंभ बताया और अपील की कि पूरा देश इनकी ताकत को अपना समर्थन दे।

अपने प्रभावशाली संबोधन में मुनिश्री ने कहा ÷देश नहीं रहेगा तो धर्म का क्या होगा? मंदिर भी नहीं रहेगा, साधु भी नहीं रहेंगे। पहले राष्ट्र, फिर धर्म। उन्होंने हर नागरिक से सैनिक कल्याण निधि में मुक्त हस्त से दान देने की अपील की और स्पष्ट शब्दों में कहा अब यह धरती आतंकवाद नहीं सह सकती। या तो उसका अस्तित्व रहेगा या हमारा।

निर्दोषों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए आतंकवादियों को नेस्तनाबूत करने की मांग

उज्जैन। उज्जैन ऑटो डील एसोसिएशन द्वारा पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोषों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए श्रध्दांजलि सभा में श्रध्दांजलि अर्पित की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम एस झालानी, सचिव इकरार शेख, राजेश अग्रवाल ने शासन से आतंकवादियों को नेस्तनाबूत करने की मांग की। सरकार से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता एवं आश्रितों को शासकीय सेवा में लेने का अनुरोध किया गया। श्रध्दांजलि सभा में कमल गोयल, सुरेंद्र शर्मा, विकास झालानी, कमल यादव, राजकुमार बजाज, रूपनारायण डोडिया, विपिन चौहान, जितेंद्र गेहलोत, विशाल चौरसिया, धर्मेंद्र चौहान, दिनेश आहूजा, पूरण गिरी आदि मौजूद रहे।

आदर्श वाल्मीकि कल्याण सभा की बैठक संपन्न

उज्जैन। उज्जैन आदर्श वाल्मीकि महापंचायत उज्जैन के चुनाव, सदस्यता अभियान व कोर कमेटी में नए 5 सदस्यों को जोड़े जाने को लेकर बैठक वाल्मिकी कॉलोनी फ्रीगंज स्थित बसंत पारोचे के यहां पर बाबूलाल नरवाले की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बाबूलाल नरवाले व कोर कमेटी के सभी पदाधिकारियों की सहमति से कोर कमेटी के पांच सदस्य बढ़ाए जाने की सहमति प्रदान की गई जिसमें सुरेश संगत, दिलीप खरे, सुरेश चौहान, चंगीराम पहलवान टांक, उदयचंद डगोरिया को शामिल किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com